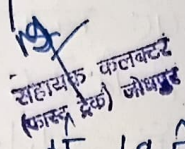


Order Sheet (Subsequent)

सहायक कलक्टर एवं कां.पालक मजिस्ट्रेट
(फास्ट ट्रैक), जोधपुर

2024/24
CNR NUMBER

Number of Case 2/94/ Year 2024
 किसानों vs - 09 R 9 C.P.C. Versus 2/94/

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of the C
12/3/25	<p>हेतु पत्रावली आयना दिनांक 12/3/25 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  </p> <p>पत्रावली पेश हुए 19 नील प्रार्थी 3901 कदम व नील प्रार्थी की प्रार्थना-पत्र अंतर्गत 09 R 9 R/W sec 151 PC पर सुनौरी गडि प्रार्थी हाथ पोराने कदम प्र-पत्र में वर्णित लक्ष्यों को दुहराते हुए यह कथन किया गया कि वाडी के पूर्व आधिपत्या द्वारा तारीख पेशी नहीं कत्रायें जाने के कारण वाडी-कापालक में तारीख पेशी पर उपस्थित नहीं हो पाया अतः प्री-पत्र प्रस्तुत कर वाडी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार करवाते हुए वाडी का पावा रेस्टोर करने का निवेदन किया गया।</p> <p>इसने मूल वाड पत्रावली, हेतुगत प्रार्थना-पत्र का अवलोकन किया गया। वाडी प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र के लक्ष्यों में वाडी प्रार्थी को पूर्व निर्धारित पेशी जिान्त को अनुपजाति हेतु पर्याप्त हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस लक्ष्यों में प्रार्थी द्वारा यह कथन किया गया कि वाडी को उनके पूर्व आधिपत्या द्वारा तारीख पेशी</p>	

Order Sheet (Subsequent)

कार्यालय सहायक कलक्टर एवं कार्यालय न्यायाधीश (आरट्ट डीक) जोधपुर

CNR NUMBER

2024/24

Number of Case

(आरट्ट डीक) जोधपुर

C/24/Year

2024

रिशानाराम

Versus

श्रीराम

15-09-20

CPC

Order

Order with initials of Presiding Officer

Brief note of compliance of the Order

श्री पानकारी नहीं की गई इत काल
 न्यायालय के उपस्थित नहीं हो पाये
 तथा वादी/प्राचीन के कथन किना
 कि वादी न्यायालय परिसर का गरीब
 किलान है अतः वादी का अनुपस्थिति
 का माफ करते हुए वाद खतोर
 करते का कथन किना जाया।
 अतः न्यायालय प्रकरण
 में नया सूत्र अपनाते हुए मूल
 प्रकरण का विनिश्चय गुणावगुण
 के आधार पर किना पाना न्यायालय
 समझते हुए तथा वादी परीक्षा अधिवक्ता
 द्वारा पूर्व अनुपस्थिति के लक्षण
 में दिखे जाते हेतु पर दिखवाल
 करते हुए दस्तावेज प्र-पत्र को स्वीकार
 किना पाना उचित समझते हैं।
 अतः प्राचीन का प्रार्थना-पत्र
 अतः 09/09/20 Sec 151 CPC
 आवान होने के स्वीकार किनापान
 है। मूल वाद पुनः उली नम्बर पर किना
 पात्र है। उपपत्र अधिवक्ता सूचित है।
 पत्रावली फॉरमल मुद्रा होकर नम्बर के
 अन्त होने हुए मूल वाद पत्रावली के लक्ष
 समझते हैं।

सहायक कलक्टर
 (आरट्ट डीक) जोधपुर

